

17 पत्रावली पेश हुई कपील वजे उपस्थित  
पत्रावली याचिकाएं अलग-अलग दिनांक 16/11/18  
को पेश कीं

18 पत्रावली पेश हुई/कपील उभय  
पक्ष एवं बकाह थी.....  
उपस्थित पी.पी.सा. अथवा क.क.  
पक्षारे है.....  
धन: पत्रावली पूर्व दिशा अनुसार दि. 27-2-18  
ने पेश हो है



पक्षी उपाधीत  
17 का देखें

27/02/2018

पत्रावली पेश हुई/कपील उभय पक्ष  
उपस्थित/रहस्यीय रूप कपील उभय ने याचिकाएं दिनांक  
की पालना के विनायक प्रस्ताव किया कि प्रस्तुत  
दिनांक प्रस्तुत विनायक स्वीकार किया जाऊ वाद  
प्रस्तुत आराजी पक्ष कारण के हकथ किनाउ प्रस्तुत  
रहेगी।

1. श्री रमेश पिता श्रीलाल सेवक साठ कपील उभय  
के रहेगी।

| आ.न.      | रकम         | लगान        |
|-----------|-------------|-------------|
| 2008      | 0.41        | 7.79        |
| 2004 सी.  | 0.05        | 0.95        |
| 2009 सी.  | 0.07        | 1.02        |
| <u>03</u> | <u>0.51</u> | <u>9.86</u> |

2. श्री कहेरा दिनेश सीमा पिता प्रेमनारायण मेवा  
बाई कपील उभय प्रेमनारायण सेवक साठ कपील उभय  
के रहेगी।

| आ.न.     | रकम         | लगान        |
|----------|-------------|-------------|
| 2007/1   | 0.37        | 7.03        |
| 2009/1   | 0.03        | 0.48        |
| 2010/2   | 0.12        | 2.28        |
| <u>3</u> | <u>0.52</u> | <u>9.79</u> |

पत्रावली  
01/02/2018

~

तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

3. श्री अनशोक प्रकाश लीलबाई वीमाबाई पिला  
~~जगदीश~~ जगदीश धीमीबाई पत्नी स्व. जगदीश  
खेड साठ कडिसाड ही डे रहेगी

| <u>आ.न.</u> | <u>खस</u> | <u>जगान</u> |
|-------------|-----------|-------------|
| 2010 मी.    | 0.53      | 10.07       |

4. श्री घनश्याम लाल पि. अम्बालाल खेड (श)  
कोलादधि

| <u>आ.न.</u> | <u>खस</u>   | <u>जगान</u>  |
|-------------|-------------|--------------|
| 2007 मी.    | 0.38        | 7.22         |
| 2004/1      | 0.02        | 0.38         |
| 2010/2      | 0.40        | 7.60         |
| <u>03</u>   | <u>0.80</u> | <u>15.20</u> |

आ.न. 2006 खस 0.01 आ.चा. मुलादि  
जमाबन्दी शामलाती रहेगा।

इही आशय का पचा डिक्की अलग से  
बनाया जावे।

निर्दिष्ट करे इजलास लिखाया जाका  
मुलाय गथा पत्रावली फुलम शुक्रा होम  
नरका से कम हो।

उप कस बनिवारी  
परीचादी (परीचादी)

3 श्री  
निवास

4